

**श्री राम सेवक यादव :** सफलता कितनी होती है ?

**श्री मोरारजी देसाई :** जितना इन्सान सफल हो सकता है, उतना होते हैं। इससे ज्यादा क्या हो सकता है। माननीय सदस्य अपने प्रयासों में कितने सफल होते हैं, वे खुद ही कहें, सफलता और असफलता तो होती ही है।

**श्री राम सेवक यादव :** आप जानते हैं, हमारी सफलता के बारे में, . . . ध्यावधान

**श्री मधु लिमये :** मैंने दार्शनिक सफलता असफलता की बात नहीं की है, सरकार के नाते, शासन के नाते वे क्या कर रहे हैं। हर चीज को आप दार्शनिक स्तर पर ले जाते हैं।

**श्री मोरारजी देसाई :** दार्शनिकों के साथ मुझे दार्शनिक की बातें करनी पड़ती हैं। दार्शनिक तो सब ही हैं। मैं अगर दार्शनिक की थोड़ी सी बात करूँ, तो इस में उन को ईर्ष्या क्यों होती है। फिर मैं भी उतना दार्शनिक बननेवाला नहीं हूँ—यह मैं कुबूल करता हूँ। इस में दार्शनिकता का सवाल नहीं है—यह मैं मानता हूँ इस लिये जितना स्मर्गलिंग बन्द हो सके, उतना बन्द करने की कोशिश की गई है, लेकिन हर चीज की मर्यादा होती है। मैं यह नहीं कहता कि हमारी सत्ता में यह बिलकुल बन्द हो जायगी।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** मैं जानना चाहता हूँ कि दूसरे देशों से हमारे देश में प्रति वर्ष कितनी चांदी आती है और हमारे यहां से जो सामान बन कर जाता है, वह कितना जाता है ? आपने अपने अच्छे विचारों से जो स्वर्ण नियन्त्रण किया था उस में आप को कितनी सफलता प्राप्त हुई ?

**श्री मोरारजी देसाई :** दूसरे देशों से चांदी यहां नहीं आ रही है, क्योंकि वहां महंगी है, हमारे यहां सस्ती है।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी :** तिब्बत से आ रही है।

**श्री मोरारजी देसाई :** पहले आ रही थी, अब नहीं आ रही है, चूंकि बाहर की दुनिया में भाव ज्यादा है, इस लिये अब बाहर से यहां आने का सवाल पैदा नहीं होता है। चूंकि बाहर दाम ज्यादा है, इस लिये कुछ लोगों ने बाहर भेजना शुरू किया है—इसके अलावा और कोई मामला नहीं है।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** बाहर कितनी जाती है ? जितने अच्छे विचारों से आपने स्वर्ण नियन्त्रण किया था, उस में आपको कितनी सफलता प्राप्त हुई ?

**श्री मोरारजी देसाई :** अगर मैं जानता कि इतनी जाती है, तो मैं उसको बन्द कर सकता था। चूंकि मैं नहीं जानता हूँ इस लिये बन्द नहीं कर सकता हूँ। अन्दाजा कैसे लगाऊँ, अन्दाजा तो आप लगा सकते हैं, मैं अन्दाजा लगाऊँ तो दीवाना हो जाऊंगा।

REPORT OF COMMISSIONER FOR SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

+

\*676. SHRI RANDHIR SINGH :  
SHRI P. R. THAKUR :

Will the Minister of SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government have fully implemented the recommendations made by the Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in his reports of the last year and this year;

(b) if so, to what extent; and

(c) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE (SHRIMATI PHULRENU GUHA) : (a) to (c). The recommendations, which are not mandatory, have been examined and communicated to the State Governments and others concerned. A statement of action taken on these reports will be laid on the Table of the House in the near future.

श्री रणधीर सिंह : माननीय स्पीकर साहब, मैं मिनिस्टर साहिबा से पूछना चाहता हूँ कि पिछले पांच सालों में आई० ए० एस०, आई० एफ०, एस० आई० पी० एस० और दूसरी सैन्ट्रल सर्विसेज में हरिजनों का कितना कोटा बना और उन में कितने हरिजनों की एम्प्लॉयमेंट हुई, अगर नहीं की गई तो क्यों नहीं की गई ? इसमें जो कसर बाकी रह गई है, उस को प्रागे पूरा करने का उनका ख्याल है या नहीं ?

SHRIMATI PHULRENU GUHA : I do not have all this information with me just now. We can place a statement on the Table of the House or give it to him, whatever you direct.

MR. SPEAKER : You can lay it on the Table of the House. If you are prepared to give him, why not give others also ?

श्री रणधीर सिंह : मेरा दूसरा सवाल आप की मारफत मिनिस्टर साहिबा से यह है कि अनटचेबिलिटी खुद हरिजनों में बड़ी है, चमार, धानक, स्केवेन्जर्स—इन के अलग अलग कुएं हैं, वे अलग अलग कुओं से पानी भरते हैं। तो अनटचेबिलिटी को रूट आउट करने के लिये इस सरकार ने, जो रिजर्वेशन शोइयूल्ड कास्ट और शोइयूल्ड ट्राइव्स कमिश्नर ने की है, क्या उन को इम्प्लीमेंट किया है ? अगर नहीं किया है तो क्यों नहीं किया है ? अगर करेंगे तो कब करेंगे।

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND SOCIAL WELFARE (SHRI ASOKA MEHTA) : As promised earlier, a detailed report on implementation is going to be placed on the Table of the House in this session. I would request my hon. friend to wait till he sees the report, and then put any question he likes.

श्री राम सिंह अयरवाल : मंत्री महोदय ने बतलाया है कि वह प्रतिवेदन पेश कर दिया जायगा लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से यह नहीं बतलाया कि वह कब तक पेश कर दिया

जायगा ? इस का स्पष्ट रूप से उन्हें उत्तर देना चाहिए।

दूसरे यह जो शोइयूल्ड कास्ट्स ऐंड शोइयूल्ड ट्राइव्स कमिश्नर की रिपोर्ट है उस को कब तक आप सही ढंग से लागू करने वाले हैं ? यह जो आपने बतलाया कि प्रतिवेदन सरकार पेश करने वाली है तो स्पष्ट रूप से बतलायें कि आखिर कब उसे वह पेश करेगी ?

श्री अशोक मेहता : इस हाउस में पहले भी कहा गया है कि जहां तक अगली रिपोर्ट का सवाल है उस के ऊपर कार्यवाही की गई है और वह रिपोर्ट इस सेशन में पेश की जायगी।

जहां तक शोइयूल्ड कास्ट्स ऐंड शोइयूल्ड ट्राइव्स कमिश्नर की रिपोर्ट का सवाल है वह बजट सेशन में पेश की जायगी यह मैंने 4 महीने पहले कहा था . . . .

श्री राम सेवक यादव : यह खाली कहते ही हैं करते कुछ नहीं है।

श्री अशोक मेहता : किस ने कहा कि हम नहीं करते हैं। हवाई बातें मत करो।

श्री मोलानू प्रसाद : मैं सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि जितने प्रश्न किये गये इस मामले में सभी में यही उत्तर मिलता है कि उन को कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है तो उन को वह संवैधानिक अधिकार देने के लिए सरकार कौन सी कार्यवाही कर रही है ? उस के लिए सरकार क्या एक संसदीय समिति नियुक्त करने वाली है यदि हाँ तो वह कब तक गठित की जायगी और उस को कब तक संवैधानिक रूप दिया जायगा और जब तक उसे संवैधानिक रूप नहीं दिया जायगा तब तक यह पूरा कैसे होगा और आखिर यह नींदकी क्यों रबी जा रही है ? मंत्री जी इसका जवाब दें

श्री राम सेवक यादव : आज यह अशोक मेहता जी हुंसे हैं इस के लिए हम उन को धन्य-बाद देते हैं ।

SHRI ASOKA MEHTA : As far as the setting up of a committee is concerned, some of the hon. Members know that we had discussions with leading representatives of both the Houses and later on, recently, there was a meeting with Ministers for Social Welfare from different States. As a result of these discussions, certain proposals have emerged and we are considering them. If a proper notice is given, I am willing to give all the information as to what views different States have given and at what stage our formulations of the proposals are.

#### SHORT NOTICE QUESTIONS

##### SUPPLY OF WATER IN KATHUA CANAL

SNQ 14. SHRI GULAM MOHAMMAD BAKSHI : Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state :

(a) the effects of Indus Water Treaty after the construction of Mangla Dam on Rivaz Award of 1905 regarding Ravi Waters; and

(b) how many cusecs of water will be available for Kathua Canal, Jammu during Rabi and Kharif seasons ?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO) : (a) and (b). Under the Rivaz Award of 1895 the Kashmir Canal could draw a maximum of 120 cusecs in *kharif* and nothing during *rabi*. Under the Indus Waters Treaty, there is practically no restriction on the withdrawals by India from the river Ravi during the *kharif* seasons and the Kathua Feeder is already able to draw up to its full capacity of 400 cusecs during the *kharif* season, except for April 1-10 and September 21-30, when we have to give water to Pakistan through Central Bari Doab Channels.

With the completion of the Mangla Dam and connecting link canals additional water will become available to India in terms of the Indus Water Treaty during September 11-30 and the *rabi* season, and the

exact quantities will have to be agreed upon by the two Commissioners for Indus Waters for each year till 31st March 1970. For the current *rabi*, it was agreed to release 1.60 lakh acre ft. from 21st November onwards till end of March for use in India. This means an additional supply of about 600 cusecs on an average. The share of Jammu & Kashmir in this will be of the order of 16 to 28 cusecs, depending upon the actual river flows. During *rabi* 1968-69 and 1969-70, the Jammu & Kashmir share may be much more appreciable but its exact magnitude can not be specified at this stage. After the anticipated end of the Transition Period, on 31st March, 1970, the entire river will be available to India and the share of Jammu & Kashmir during the *rabi* season will be about 300 cusecs, on an average.

श्री गुलाम मुहम्मद बक्शी : मैं भ्रान्ते-बुल मिनिस्टर से यह जानना चाहता हूँ कि इंडस वाटर्स ट्रीटी का जहाँ तक ताल्लुक है उसको देखते हुए इस रिवाज ऐवार्ड की आज क्या स्पैसिफिक पोजीशन है, आया वह खत्म होता है या नहीं जोकि उस वक्त पंजाब गवर्न-मेंट और जम्मू कश्मीर गवर्नमेंट के दरमियान हुआ था ? अगर यह सिलसिला 1970 तक जारी रहेगा तो जिस पानी की हम को जरूरत है मंगला डैम बनने के बाद भी, अगर हम उस पानी को हासिल नहीं करेंगे तो जो करोड़ों रुपये से सैट्रल गवर्नमेंट से और खास तौर से मिनिस्टरि आफ इर्रिगेशन ऐंड पावर के मशविरों से आज से पांच साल पहले बनाई गई थी वह कैनाल बेकार पड़ी है और वह रुपया जाया हो रहा है तो उस के लिए मिनिस्टर साहब को क्या कहना है ? मैं उन से स्पैसिफिक तौर पर जानना चाहता हूँ कि यह रिवाज ऐवार्ड इंडस वाटर्स ट्रीटी के बाद खत्म होता है या नहीं ।

[میں آنریبل منسٹر سے یہ جاننا چاہتا ہوں کہ انڈس واٹرس ٹریٹی کا جہاں تک تعلق ہے اس کو دیکھتے ہوئے رواز ایوارڈ کسی کیا ہونشن ہے۔